भूगोल (वैकल्पिक विषय)

(भौतिक विन्यास, संसाधन, कृषि, सांस्कृतिक विन्यास)

8 Test

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

DTVF/19 (J-S)–M–G3

Name: सुनिल कुमार धनवत्ता **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): हिन्दी **Reg. Number:** x7153

Center & Date: BATRA 2 18-07-2019 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0815872

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशत: दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*
*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*
*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

सुनिल कुमार धानवत्रा, (Test 43)

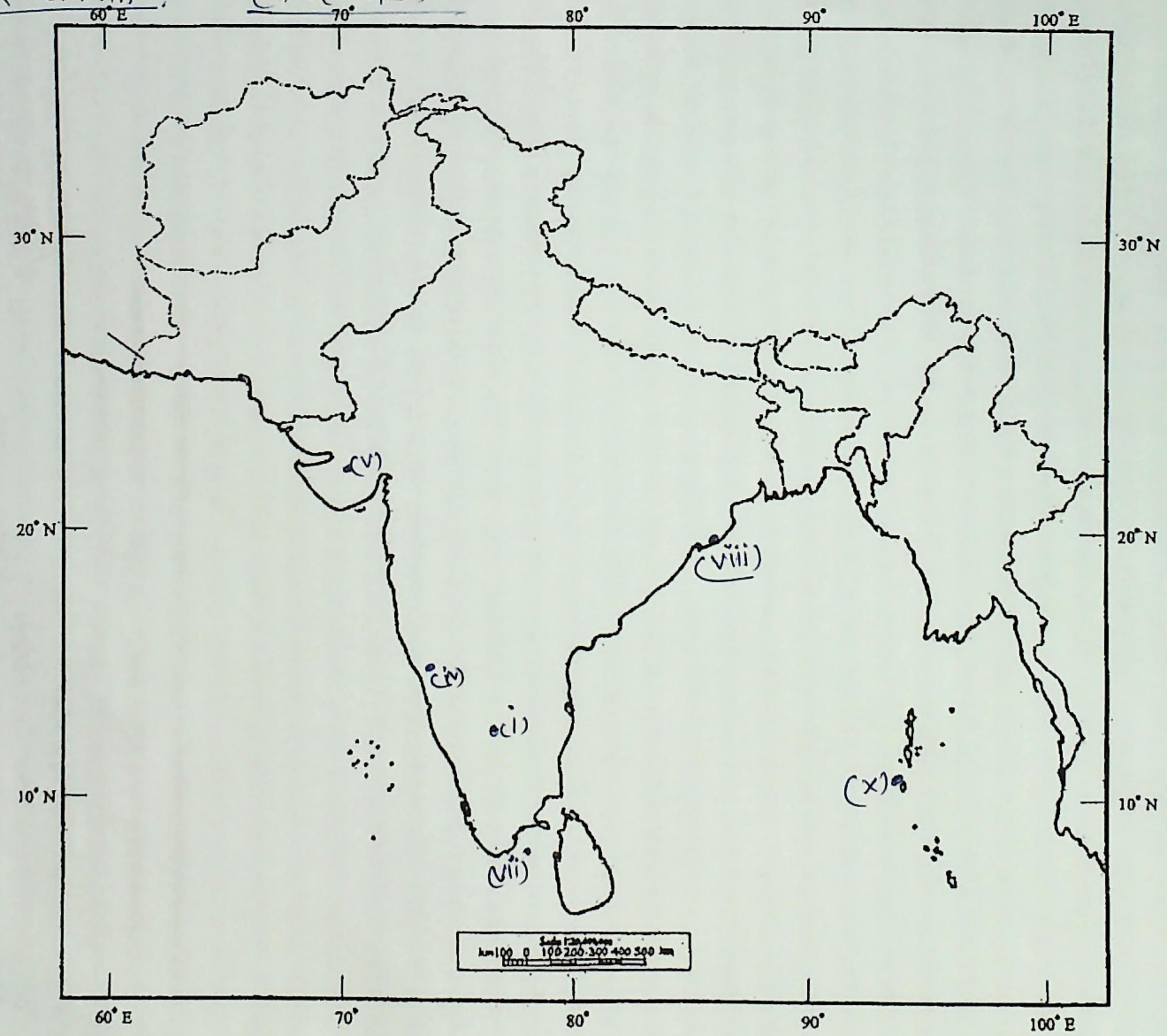

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - क/ SECTION - A

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1. (a) आपको दिये गए भारत के रेखामानचित्र पर निम्नलिखित सभी की स्थिति को अंकित कीजिये। अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में इन स्थानों में से प्रत्येक का भौतिक/वाणिज्यिक/आर्थिक/पारिस्थितिक/पर्यावरणीय/सांस्कृतिक महत्त्व अधिकतम 30 शब्दों में लिखिये: $2 \times 10 = 20$

On the outline map of India provided to you, mark the location of all of the following. Write in your QCA booklet the significance of these locations, whether physical/commercial/economic/ecological/environmental/cultural in not more than 30 words for each entry: $2 \times 10 = 20$

(i) थेनी ज़िला

Theni District

→ यह तमिलनाडु में स्थित है।

→ यहां - भूद्रीनों पर अनुसंधान के लिए एक भूमिगत प्रयोगशाला की स्थापना की जा रही है।

(ii) ऊझ नदी

Ujh River

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(iii) रणजीत सागर बांध

Ranjit Sagar dam

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(iv) पडुर

Padur

→ यह कर्नाटक में स्थित है।

→ यहाँ रणनीतिक तेल रिजर्व स्थापित करने की योजना है।

→ यहां पर अप्रवेश्य (Impermiable rocks) पायी जाती हैं जिसमें तेल भण्डारित करना आसान होता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(v) कुनो वन्यजीव अभयारण्य

Kuno Wildlife Sanctuary

→ यह गुजरात राज्य में स्थित है।

→ यहां पर एशियाई शेर के साथ-साथ अनेक जीव-जन्तु एवं पक्षी निवास करते है।

(vi) लोनी कालमोर

Loni Kalmore

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(vii) मुन्नार

Munnar

(viii) गोरसर बीच

Gorsar beach

→ यह उड़ीसा में स्थित है।

→ मैंग्रोव वन पाए जाते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ix) चांदोली राष्ट्रीय उद्यान

Chandoli National Park

(x) उत्तरी सेंटिनल द्वीप

North Sentinel Island

→ यह अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह में स्थित एक द्वीप है।

→ यहाँ सेंटिनल जनजाति निवास करती है जो विशेष रूप से सुभेद्य (PVT) जनजाति हैं।

→ कुछ महीनों पहले इनके लोगों ने एक अमेरिकी पर्यटक की हत्या कर दी थी।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) आद्य महाकल्प समूह की चट्टानों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। 10

Throw light on the features of the Archaean era group rocks. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

पृथ्वी पर सर्वप्रथम आर्कियन युग की चट्टानों की उत्पत्ति मानी जाती है जिनका निर्माण पृथ्वी के शीतलन के कारण हुई है।

भारत की भूगर्भिक संरचना
- आर्कियन चट्टानें
- पुराण युग की चट्टानें
- द्रविडियन युग की चट्टानें
- आर्य युग की चट्टानें

आर्कियन समूह की चट्टानों की विशेषताएं

→ पृथ्वी के पदार्थों के शीतलन के पश्चात इनका निर्माण हुआ

→ अत्यधिक भाग में कायान्तरण हुआ है।

→ इनमें जीवाश्मों के अवशेषों का अभाव

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पाया जाता है

→ इनमें अनेक धात्विक एवं अधात्विक खनिज पाए जाते हैं परन्तु उनका आर्थिक खनन → अव्यवहार्य है।

<u>वितरण</u> : प्रायद्वीपीय भारत का अधिकांश भाग
\ हिमालयी क्षेत्र का कोर इनसे निर्मित है।

→ ये चट्टाने कहीं भी अपने मूल स्वरूप में बहुत कम मिलती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

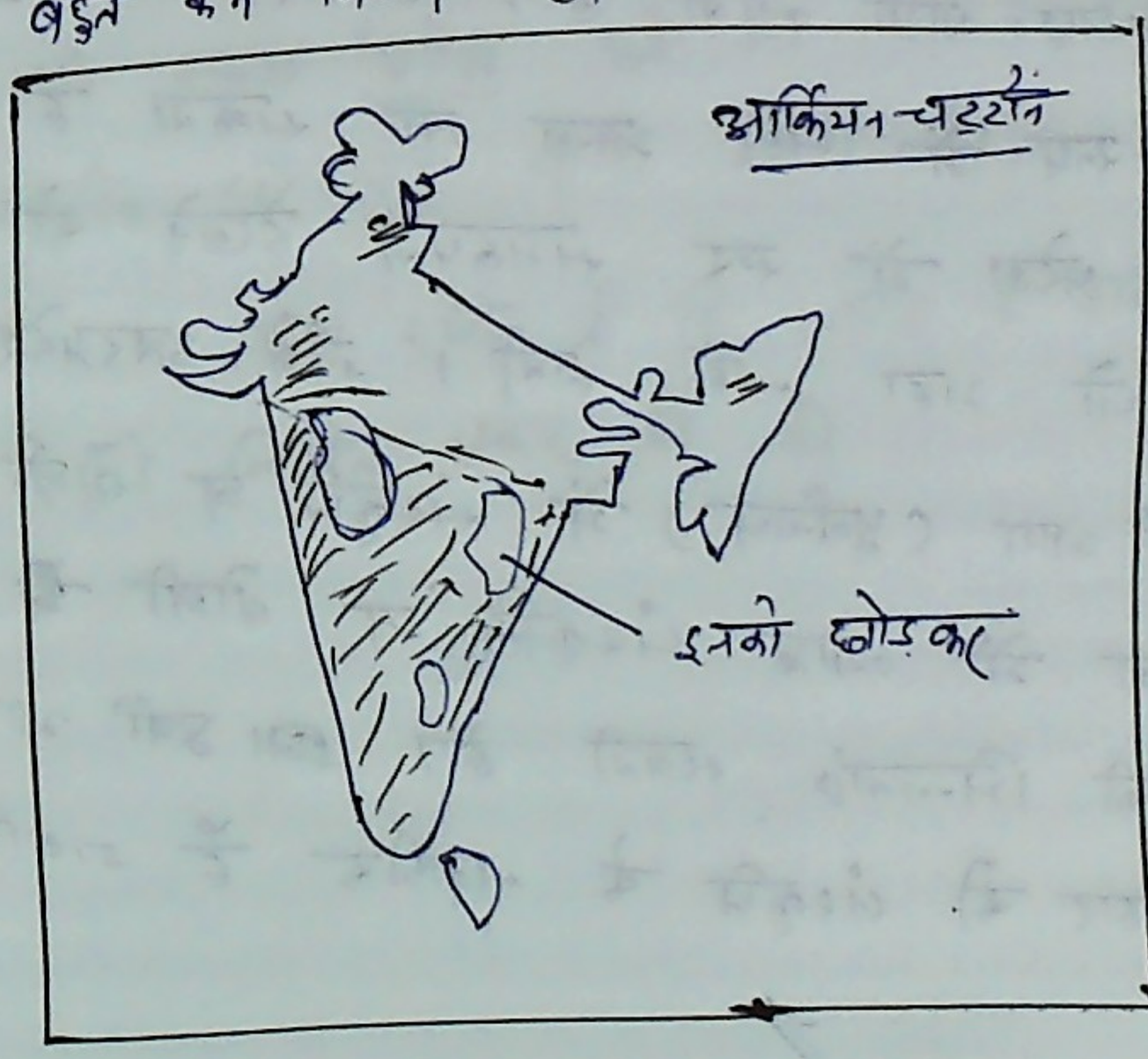

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) क्या ऐसा कह सकते हैं कि राज्यों की बजाय प्रदेश सांस्कृतिक इकाइयों का निर्माण करते हैं? सोदाहरण वर्णन कीजिये। 10

Can regions be considered to form cultural units rather than states? Illustrate. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में व्यापक रूप से सांस्कृतिक, भौगोलिक, धार्मिक, जैव-विविधता पायी जाती है तथा भारत के राज्यों का वर्तमान स्वरूप अनेक विशेषताओं को दर्शाता है।

भारत में कई राज्य ऐसे हैं जहां अनेक प्रकार की सांस्कृतिक व भौगोलिक विशेषताएं पायी जाती है। इसलिए उनको प्रदेश के रूप में नही माना जा सकता है क्योंकि पूरे प्रदेश में एक समरूपता देखने को मिलती है जो यहा नहीं होती। जैसे उत्तरप्रदेश के पूर्वी भाग (पूर्वांचल) में संस्कृति व बोली, पश्चिमी भाग में व्याप्त संस्कृति व बोली से काफी भिन्नताएं रखती है। पूर्वी भाग बिहार की संस्कृति के नजदीक है जबकि

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

पश्चिमी भाग राजस्थान व हरियाणा की संस्कृति के। अतः उत्तरप्रदेश को 'प्रदेश' नहीं माना जा सकता।

परन्तु दक्षिण भारत के राज्यों में अलग प्रकृति देखने को मिलती है। यहां राज्यों का निर्माण मुख्यतः भाषा व संस्कृति के आधार पर हुआ है जैसे मद्रास ~~राज्य~~ प्रांत से तमिलनाडु, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक इत्यादि का निर्माण। अतः ये राज्य 'प्रदेश' कहे जा सकते हैं। यहां सांस्कृतिक समरूपता पायी जाती है।

अतः स्पष्ट है कि भारत के राज्यों की प्रकृति भिन्न प्रकार की है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (a) प्रायद्वीपीय एवं हिमालयी भागों में भौमजल संसाधनों की कमी और उनके विकास में कठिनाई के कारणों पर प्रकाश डालिये और उपचारात्मक उपाय सुझाइये। 15

Highlight the lack of groundwater resources in the peninsular and Himalayan regions. Discuss the factors hindering its development and suggest remedial measures. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारत के प्रायद्वीपीय एवं हिमालयी भागों में भौम जल संसाधनों की कमी पायी जाती है तथा उनके विकास में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जिसमें भूगर्भीय संरचना, उच्चावच, वर्षा की मात्रा, मृदा व वनस्पति इत्यादि प्रमुख कारक होते हैं।

प्रायद्वीपीय भाग में भौम जल संसाधनों की कमी के कारण

(1) चट्टानों के आग्नेय एवं कठोर तथा अप्रवेश्य होने के कारण भौम जल का रिचार्ज नहीं हो पाता।

(2) इस क्षेत्र में मृदा के कणों का आकार काफी महीन पाया जाता है जिससे होकर जल आसानी से भूमि के अन्दर नहीं जा पाता है।

(3) वनस्पति का आवरण कम → जल का ठहराव कम

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भौम जल के विकास में कठिनाई (प्रायद्वीपीय भारत)

(i) चट्टानों की अप्रवेश्य संरचना।

(ii) रिचार्ज हेतु अवसंरचना का अभाव।

(iii) स्पष्ट नीति एवं जनजागरूकता का अभाव।

2. हिमालयी क्षेत्र

2.1 भौम जल की कमी का कारण

(i) चट्टानों का अप्रवेश्य होना।

(ii) ढलान के कारण जल रुक नहीं पाना जिससे वह जमीन के अन्दर प्रवेश नहीं कर पाता।

(iii) भ्रंश की पतली परत के कारण पानी को रोकने की कम क्षमता।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

2.2 भौम जल के विकास में कठिनाई

(i) चट्टानी संरचना का कठोर एवं अप्रवेश्य होना

(ii) रिचार्ज का अभाव तथा अवसंरचना का अभाव

भौमजल की कमी के कारण यहां तालाबों या बांधों से सिंचाई की जाती है इसलिए

भौम जल के विकास हेतु सुझाव

(i) भौम जल के रिचार्ज हेतु अवसंरचना निर्माण जैसे इनीकट बांध, चेक डेम इत्यादि का निर्माण

(ii) वनारोपण करना।

(iii) मृदा अपरदन को रोकना।

सरकार ने इसी बात को समझते हुए अटल भूजल योजना प्रारंभ की है ताकि भौम जल का संरक्षण एवं विकास कर इसकी पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) देश के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को साफ पानी मुहैया कराने के उद्देश्य में राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम कहाँ तक सफल हो पाया है? कार्यक्रम की सीमाओं को भी चिह्नित कीजिये। 20

How far has the National Rural Drinking Water Program been successful in providing clean water to the people of rural areas of the country? Also identify the limitations of the program. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जल को जीवन माना जाता है एवं स्वच्छ पेयजल को स्वच्छ स्वास्थ्य का सूचक माना जाता है। लोगों को उचित मात्रा में समय पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम प्रारंभ किया गया था।

अपने प्रारंभ के पश्चात अवसंरचना निर्माण, जल संरक्षण इत्यादि प्रयासों के माध्यम से इस कार्यक्रम द्वारा लाखों लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाया गया है परन्तु फिर भी वर्तमान में पेयजल का भारी संकट हमारे देश में व्याप्त है जिसे निम्नलिखित बिंदुओं के माध्यम से समझा जा सकता है।

→ भारत में 600 मिलियन लोग अभी भी जल संकट का सामना कर रहे

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हैं (नीति आयोग रिपोर्ट)

→ WHO की रिपोर्ट के अनुसार कई मिलियन बच्चे स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं।

→ नीति आयोग द्वारा यह भी आशंका व्यक्त की गई है कि 0 प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता के घटने के कारण देश भारी जल संकट (जलाभाव) की स्थिति की ओर बढ़ रहा है।

→ वर्तमान में देश के अनेक भागों में लोगों को कई किमी. चलकर पेयजल लाना पड़ता है।

→ देश के अनेक हिस्सों में अभी भी कई स्तर पर आर्सेनिक, फ्लोराइड इत्यादि भारी धातुओं का संदूषण (contamination) व्याप्त है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कार्यक्रम की सीमाएं

(i) अवसंरचना निर्माण के लिए पर्याप्त बजट का अभाव

(ii) देश की विविधतापूर्ण उच्चावच के कारण सभी भागों में पेयजल उपलब्ध करना एक चुनौतिपूर्ण कार्य है।

सुधार हेतु सुझाव

(i) मनरेगा जैसे कार्यक्रम के माध्यम से परंपरागत जल संरक्षण तकनीकों का पुनरुद्धार करना।

(ii) पर्याप्त बजट व प्रशासनिक कार्यकुशलता के साथ तत्काल अवसंरचनात्मक निर्माण कार्य करना।

इन्हीं सब समस्याओं को देखते हुए भारत सरकार द्वारा 'जल शक्ति अभियान' की घोषणा की है। आशा है कि यह अभियान इन सभी चुनौतियों के समाधान में सफल होगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) हालिया सुधारों ने भारत को जीवाश्म ईंधन से जैव ईंधन की तरफ़ जाने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान किया है, जिसे भुनाना अति महत्त्वपूर्ण होगा। चर्चा कीजिये। 15

The recent reforms have given India an excellent opportunity to move from fossil fuels to biofuels, which must be redeemed. Discuss. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत ऊर्जा अभाव वाला देश है जहां कि ऊर्जा आवश्यकताओं का लगभग 75% आयात के माध्यम से पूरा किया जाता है। साथ ही जीवाश्म ईंधनों के दुष्प्रभावों व इनकी सीमित मात्रा के कारण ऊर्जा के गैर- परंपरागत स्रोतों की ओर बढ़ने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

वर्तमान में अनेक सुधार हुए हैं जिससे जैव ईंधन की ओर बढ़ने हेतु प्रेरणा मिली है। ये प्रमुख सुधार हैं—

(i) बायोफ्यूचर प्लेटफार्म

(ii) राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति. इसके माध्यम से भारत सरकार देश में जैव ईंधन के लिए पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने, अवसंरचनात्मक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

निर्माण को बढ़ावा देने तथा नवाचारों को बढ़ावा देने का पूरा प्रयास करने की मंशा रखती है।

(iii) अपनी फसल अवशेषों को ईंधन में परिवर्तित करने के लिए सरकार किसानों को पर्याप्त सब्सिडी प्रदान कर रही है।

इसलिए सरकार को तुरंत इस ओर ठोस कदम उठाना चाहिए। जैव ईंधन से निम्नलिखित लाभ प्राप्त हो सकते हैं—

(क) जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम होगी जो समाप्य प्रकृति के हैं।

(ख) आयात कम होने से देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भण्डार में बचत होगी।

(ग) जीवाश्म ईंधनों के दहन से होने वाले वायु प्रदूषण में कमी होगी जिससे अनेक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होंगे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(घ) फसल अवशेषों का उचित निपटारा होगा तथा किसानों को अधिशेष उत्पादन की स्थिति में उचित कीमत भी प्राप्त होगी।

ङ) जैव ईंधन के विकास में चुनौतियां

(i) अवसंरचना का अभाव।

(ii) लोगों में जागरूकता का अभाव।

(iii) अनुसंधान व नवाचार के निम्नस्तर के कारण आधुनिक प्रौद्योगिकी का अभाव

अतः सरकार को विदेशी सहयोग एवं तकनीकी हस्तांतरण के माध्यम से इस क्षेत्र का तीव्र विकास करने का शीघ्र प्रयास करना चाहिए ताकि सभी को वहनीय, सुलभ एवं स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति हो तथा सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हो सके।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) भारत की सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय समस्या के समाधान के रूप में समुद्री जैविक संसाधनों की महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। समुद्री मत्स्योत्पादन के संदर्भ में चर्चा कीजिये। 20

Marine biological resources can play an important role in solving India's social, economic and environmental problems. Discuss in the context of marine fish production. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

स्थलीय भाग में संसाधनों की भारी सीमित हैं तथा बढ़ती जनसंख्या की माँगों के कारण ये संसाधन धीरे-धीरे समाप्ति की ओर बढ़ रहे हैं। इन्हीं सब को देखते हुए अब मानव जाति को समुद्री संसाधनों की ओर अग्रसर होना पड़ रहा है।

समुद्र में पृथ्वी की लगभग 80% जीव विविधता पायी जाती हैं तथा समुद्र में भारी भात्रा में जैविक संसाधन उपलब्ध है जो मानव की कई आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकते हैं।

भारत की विस्तृत तटरेखा एवं विशाल विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) की उपलब्धता के कारण भारत के पास विशाल मात्रा में जैविक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

संसाधन है जिसमें मछलियां, पौधे, केकड़े, शैवाल इत्यादि प्रमुख है।

वर्तमान में भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा मत्स्योत्पादक देश है। इससे भारत को खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ विदेशी मुद्रा भी प्राप्त होती है।

समुद्री जैव संसाधनों की भूमिकाएं

1. सामाजिक भूमिका
   - → अनेक लोगों की आजीविका का स्रोत जिससे गरीबी उन्मूलन में प्रगति होती है।
   - → खाद्य सुरक्षा प्राप्त होती है।

2. आर्थिक भूमिका
   - → देश की GDP में मत्स्योत्पादन का बड़ा योगदान होता है।
   - → मत्स्य उत्पादों के निर्यात से

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विदेशी मुद्रा की प्राप्ति।

3. पर्यावरणीय समस्या के समाधान में भूमिका.

(a)
→ स्थलीय भाग में भूमि से ज्यादा उत्पादन के लिए उर्वरकों का प्रयोग होता है ताकि लोगों को भोजन दिया जा सके परन्तु इस वैकल्पिक स्रोत के कारण इस प्रवृत्ति में कमी आएगी

→ मृदा प्रदूषण में कमी

इसी को देखते हुए तथा मत्स्य क्षेत्र के विकास के लिए ~~नीली~~ नीली क्रान्ति, मत्स्यउपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड एवं उचित दर पर ऋण देना इत्यादि प्रयास सरकार कर रही है। इसके अलावा सरकार को उचित अवसंरचना निर्माण एवं प्रौद्योगिकी उन्नयन पर भी बल देना चाहिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारत में कृषि अवसंरचना की आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए भारतीय कृषि पर बुनियादी ढाँचे के विकास के प्रभाव की चर्चा कीजिये। 15

Explain the need of agricultural infrastructure in India and discuss the impact of basic infrastructure development on Indian agriculture. 15

कृषि क्षेत्र को अवसंरचनात्मक, संस्थागत एवं नीतिगत तथा मानवीय कारक प्रभावित करते हैं।

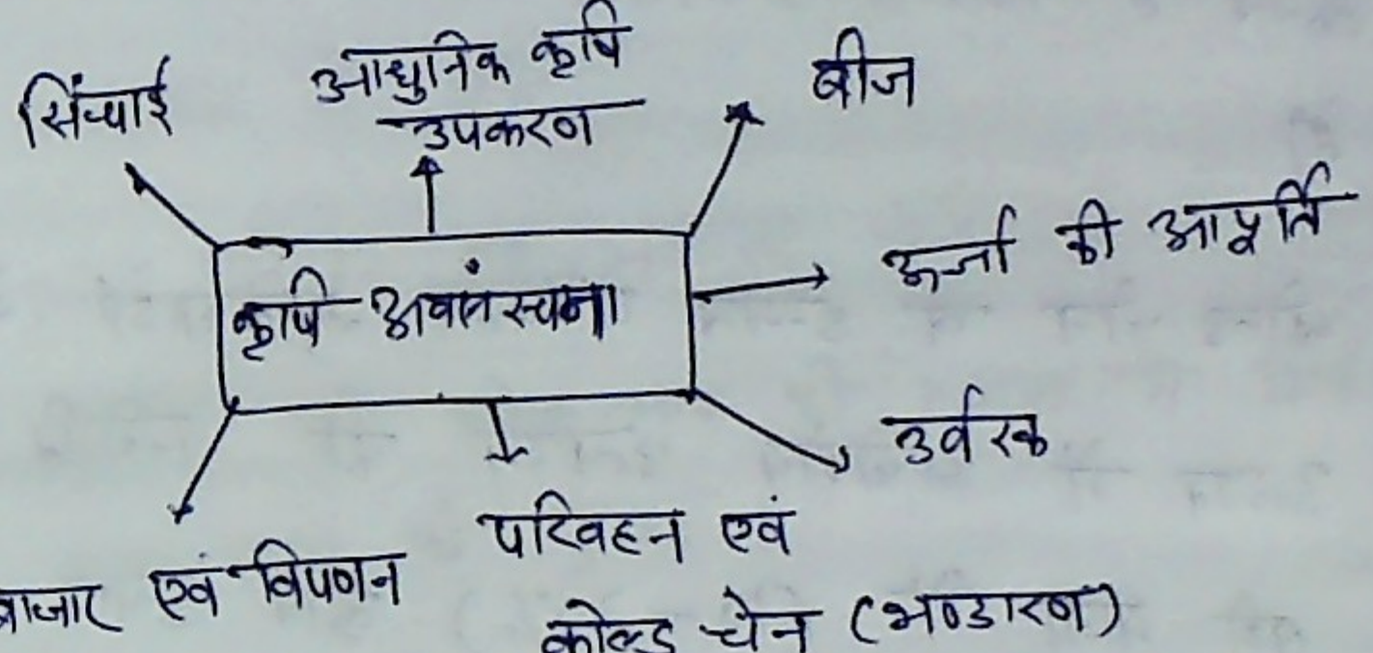

भारत में कृषि अवसंरचना की आवश्यकता

(i) भारत के कृषि क्षेत्र का केवल 54% भाग ही सिंचित क्षेत्र के अन्तर्गत आता है। सिंचाई के अभाव के कारण किसानों को मानसून विफलता की स्थिति में संकट का सामना

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

करना पड़ता है

(ii) भारत के किसान अभी भी पुरानी तकनीक व उपकरणों ~~की~~ के माध्यम से कृषि कार्य करते हैं जिससे उत्पादकता में कमी आती है।

(iii) कोल्ड चेन व उन्नत परिवहन सुविधाओं के अभाव में अधिशेष उत्पादन की स्थिति में बड़ी मात्रा में (10 – 20%) कृषि उत्पाद खराब हो जाते हैं जिसमें शीघ्र नष्ट होने वाले कृषि उत्पाद (फल, सब्जी, फूल इत्यादि) प्रमुख है।

(iv) उन्नत बीजों की कमी के कारण निम्न उत्पादकता।

(v) किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य नही मिल पाता। इसके पीछे उन्नत बाजार एवं विपणन सुविधाओं का अभाव होना है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारतीय कृषि पर बुनियादी ढांचे के विकास का प्रभाव

→ अकाल की स्थिति से बचाव।

→ अतिशेष उत्पादों के नष्ट होने की आशंका की समाप्ति।

→ उन्नत बीजों व संतुलित उर्वरकों के कारण उत्पादकता में वृद्धि

→ उन्नत परिवहन एवं भण्डारण सुविधाओं के कारण किसानों की मोल-भाव की क्षमता में वृद्धि तथा उपज की सुरक्षा।

सरकारी प्रयास इस

→ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना।

→ 'e-NAM' और 'GrAMS' योजना।

→ प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना।

→ भण्डार गृहों के निर्माण हेतु कम ब्याज पर ऋण।

→ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

इसके बावजूद भी कृषि में आज संकट व्याप्त है जिसके लिए तीव्र प्रयास करने की आवश्यकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(c) भारत में अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों की चर्चा करते हुए उन मूलभूत कारणों की चर्चा कीजिये जो जनजातीय विकास के लिये अपनाई गई योजनाओं की सफलता में बाधक रहे हैं। 15

Highlight the Scheduled Tribes dominated areas of India and discuss the basic reasons which have hindered the success of the initiatives adopted for tribal development. 15

भारत की जनसंख्या का 8.3% भाग अनुसूचित जनसंख्या के रूप में है जो देश के अनेक क्षेत्रों में फैली हुई है।

1. अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्र -

(i) उत्तरी क्षेत्र - उत्तराखण्ड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर
— भूटिया, बक्करवाल, गुज्जर समुदाय

(ii) पश्चिमी क्षेत्र - गुजरात, राजस्थान
— भील, मीणा समुदाय

(iii) दक्षिणी क्षेत्र - तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक
— नीलगिरी क्षेत्र की जनजातियां (इरूला इत्यादि)

(iv) मध्य क्षेत्र - मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़
— मुण्डा, हो

(v) पूर्वी क्षेत्र - उड़ीसा, झारखण्ड
— संथाल, अबूझमार

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(vi) उत्तर-पूर्वी क्षेत्र - सिक्किम तथा 7 उत्तरपूर्वी राज्य
नागा, खासी, मणिपुरी, जयन्तिया इत्यादि जनजातियां

(vii) द्वीप समूह - लक्ष्यद्वीप, अण्डमान-निकोबार
निकोबारी, सेन्टिनली, जारवा, शोम्पेन इत्यादि जनजातियां

जनजातीय विकास के लिए सरकार समय-समय अनेक योजनाएं चला रही है परन्तु ये अपेक्षित सफलता प्राप्त नहीं कर पायी हैं। वर्तमान में जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, रोजगार इत्यादि का अत्यन्त निम्न स्तर देखा जाता है।

योजनाओं की सफलता में बाधक कारक

(i) योजना निर्माण में सभी हितधारकों के योगदान का अभाव।

(ii) योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रशासनिक उदासीनता एवं धीमे रवैये का होना जैसे विस्थापित लोगों के पुनर्वास में कई वर्षों की देरी हो-

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this spac

जाती हैं

(iii) जनजातीय क्षेत्रों के ~~दुर्गम~~ दुर्गम भूआकृति के कारण पहुंच का अभाव व अवसंरचना का निम्न स्तर।

(iv) जनजातीय क्षेत्रों में अनेक आंदोलनों जैसे नक्सलवाद, माओवाद, अलगाववादी आंदोलनों व जनजातीय संघर्षों से उत्पन्न सुरक्षा चुनौतियों के कारण विकास दर का निम्न स्तरीय होना

इसलिए सरकार को उपर्युक्त कारकों के समाधान के लिए बहुआयामी रणनीति बनाकर विकास करने का प्रयास करना चाहिए

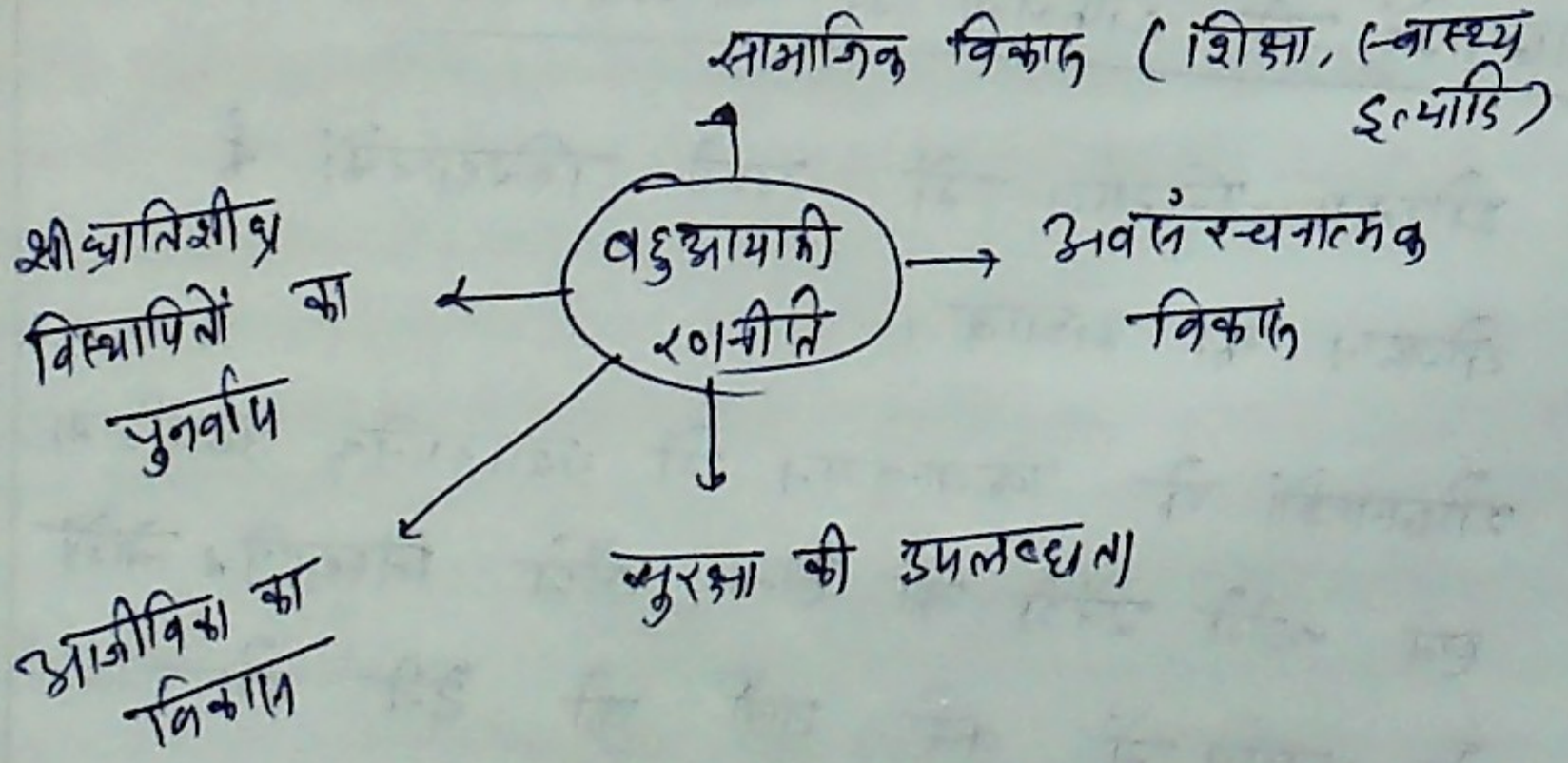

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - ख/ SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: $10 \times 5 = 50$
Answer the following in about 150 words each:

(a) भारतीय समुद्र तट निमज्जन, उन्मज्जन, मिश्रित तथा तटस्थ तट का विशिष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। चर्चा करें।

The Indian coasts present a unique example of submergence, emergence, compound and neutral coastlines. Discuss.

भारत के पास 7516 कि.मी. लम्बी तटरेखा है जो अनेक विविधताओं एवं विशेषताओं से युक्त है।

भारत के पश्चिमी तट में निमज्जन की प्रवृत्ति देखी जाती है। प्रायद्वीपीय भारत का पश्चिमी हिस्सा भूतकाल में समुद्र में डूब गया था। इसी कारण यहां भग्नतट की चौड़ाई पूर्वी तट से ज्यादा पायी जाती है।

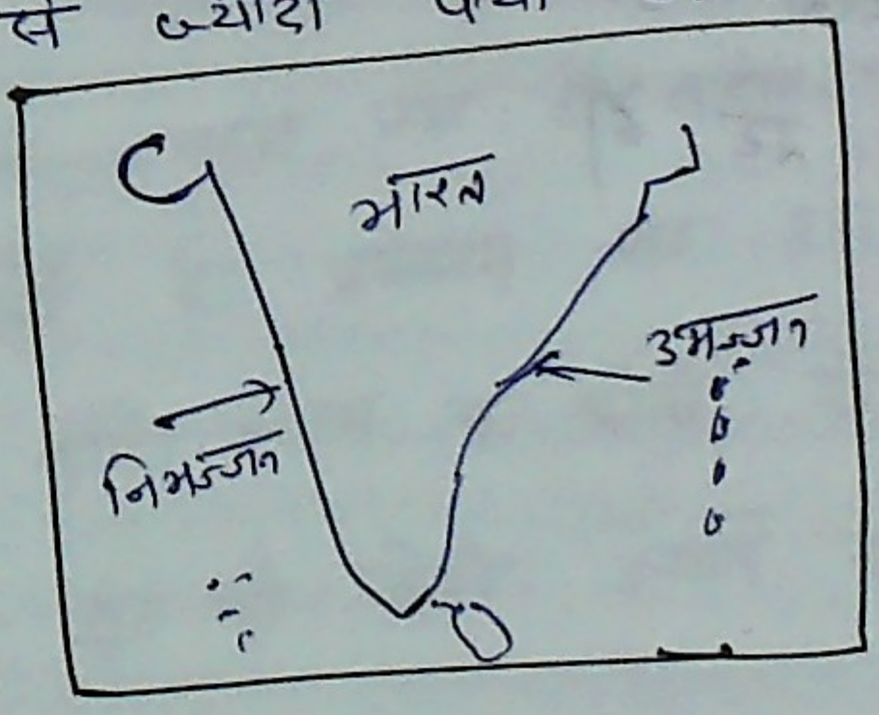

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

इसी तरह पूर्वी तट पर तट के क्षेत्रफल में वृद्धि हो रही है तथा इसको उभज्जन का उदाहरण माना जाता है। तमिलनाडु के तटीय भागों में तटीय भूमि प्राप्ति इसका उदाहरण है।

अंडमान निकोबार द्वीप एवं लक्ष्यद्वीप के तट <u>तटस्थ तट</u> के उदाहरण हैं जहां न तो निमज्जन हो रहा है और न ही उभज्जन।

इसके अलावा गुजरात में दक्षिण भाग पर निमज्जन तथा <u>उत्तरी-पूर्वी भाग</u> में उभज्जन की क्रिया देखी जाती है। इसलिए यह मिश्रित प्रकार का तट है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारतीय किसानों में नकदी फसलों को लेकर बढ़ते रुझान के बावजूद शस्य प्रतिरूप अभी भी परंपरागत ही है। उपयुक्त तर्क द्वारा पुष्टि कीजिये।

In spite of increasing preference of cash crops by Indian farmers, the cropping pattern is still traditional. Substantiate.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

किसी निश्चित समय पर किसी फसल द्वारा घेरे गए कुल क्षेत्र के भाग को शस्य प्रतिरूप माना जाता है।

$$C_P = \left(\frac{C_a}{N}, \frac{C_b}{N} - - - \right) \times 100$$

यहां C_P = शस्य प्रतिरूप

C_a = प्रथम फसल द्वारा घेरा गया क्षेत्रफल

C_b = द्वितीय फसल द्वारा घेरा गया क्षेत्रफल

भारत में आजादी के पश्चात से ही शस्य प्रतिरूप बदल रहा है। वर्तमान में भारत में नकदी फसलों का प्रचलन बढ़ रहा है इसमें गन्ने की कृषि, चाय व कॉफी की कृषि, कपास व जूट की खेती इत्यादि का प्रचलन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

बढ़ रहा है। कृषि मंत्रालय के आँकड़ों के अनुसार गन्ने के कृषि क्षेत्र फल में वृद्धि देखने को मिल रही है परन्तु भारत के कृषि क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा परंपरागत फसलों द्वारा ही घेरा हुआ है।

वर्तमान में भारत में आधे से ज्यादा कृषि क्षेत्र में गेहूं व चावल की खेती की जाती है। तथा भारत के ~~अधिकांश भाग~~ एक बड़े क्षेत्र में शुष्क परिस्थितियों के कारण शुष्क कृषि भी की जाती है। इसलिए भारत का शस्य प्रतिरूप अभी भी परंपरागत ही है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) क्षतिपूरक वनरोपण कोष एक्ट-2016 के प्रमुख प्रावधानों की चर्चा करते हुए इसकी प्रयोज्यता का मूल्यांकन कीजिये।

Discuss the major provisions of the compensatory Afforestation Fund Act, 2016 and evaluate its applicability.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बढ़ती जनसंख्या व आर्थिक विकास के कारण वनों के कटाव में निरंतर वृद्धि हो रही है। "IFSR" के अनुसार वर्तमान में भारत में केवल 21.7% वन है। इसी को देखते हुए वनों के क्षेत्रफल को बढ़ाने के लिए क्षतिपूर्ति वनरोपण कोष एक्ट, 2016 पारित किया गया।

एक्ट के प्रमुख प्रावधान -

(i) इसमें एक केन्द्रीय क्षतिपूर्ति वनरोपण कोष व सभी राज्यों में राज्य क्षतिपूर्ति वनरोपण कोष की स्थापना किया की जाएगी।

(ii) इन कोषों में फण्ड का वितरण 10 : 90 (केन्द्र व राज्यों के बीच) अनुपात में होगा

(iii) इनके प्रबंधन के लिए केन्द्रीय व राज्य

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

स्तरीय प्रबन्धन प्राधिकरणों की स्थापना का प्रस्ताव

(iv) कंपनियों व संस्थाओं द्वारा पेड़ काटने पर क्षतिपूर्ति राशि को इन कोषों में जमा करवाया जाएगा।

परन्तु निम्नलिखित कारणों से इनका कार्यान्वयन अपेक्षित नहीं है

(i) प्रशासनिक कार्यकुशलता में कमी व भ्रष्टाचार
(ii) फण्डों के प्रयोग के संबन्ध में स्पष्ट योजना एवं कार्यनीति का अभाव
(iii) सभी राज्यों के बीच समन्वय का अभाव

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (पी.एम.के.के.के.वाई.) के अंतर्गत स्थापित ज़िला खनन फाउंडेशन (डी.एम.एफ.) की क्या भूमिका अभिकल्पित की गई है?

What is the role of the District Mining Foundation (DMF) set up under the Pradhan Mantri Khanij Kshetra Kalyan Yojana (PMKKKY)?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खनिजों के खनन क्षेत्रों में निवास कर रहे लोगों पर पड़ रहे दुष्प्रभावों को कम करने एवं उनके विकास के लिए जिला खनन फाउंडेशन की स्थापना की गई।

यह खनिज कल्याण कोष के माध्यम से विकास व पुनरुद्धार कार्यों का संचालन करता है।

इसके 60% राशि का प्रयोग अनिवार्यतः निम्नलिखित कार्यों में होना चाहिए-

① पुनर्वास कार्यक्रम
② अवसंरचना निर्माण
③ शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास
④ पेयजल की सुलभता प्रदान करना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(5) बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करना

बाकी 40% राशि का प्रयोग विवेकानुसार किया जा सकता है जैसे-

(I) कौशल प्रशिक्षण एवं विकास

(II) आजीविका विकास कार्यक्रम

(III) कृषि विकास व भूमि पुनरुद्धार

(IV) सिंचाई विकास इत्यादि।

कृपया इस स्थान
कुछ न लिखें।
(Please don't w
anything in this

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) ईशान उदय योजना क्या है? इसके मानकों को स्पष्ट करते हुए पूर्वोत्तर क्षेत्र के मानव संसाधन विकास में इसकी संभावित भूमिका बताइये।

What is Ishan Uday scheme? Describe its potential in human resource development in the North-East.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पूर्वोत्तर के छात्रों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए ईशान उदय योजना को आरंभ किया गया है।

प्रमुख प्रावधान :→

(i) उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करना।
(ii) स्टार्टअप को बढ़ावा देकर उनको प्रोत्साहित करना।
(iii) कौशल विकास व प्रशिक्षण को बढ़ावा देना।
(iv) अनुसंधान व नवाचार क्षमताओं का विकास करना।

इस योजना से पूर्वोत्तर के छात्र उच्च शिक्षा लेने को प्रोत्साहित

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

होंगे जिससे सकल नामांकन अनुपात में वृद्धि होगी।

कौशल विकास प्रशिक्षण से उद्योगों को कुशल श्रमिक प्राप्त होंगे। इससे जनांकिकीय लाभांश का सकारात्मक लाभ होगा।

पूर्वोत्तर के छात्रों को मुख्य धारा में जोड़कर भारत की एकता व अखंडता की रक्षा के साथ-साथ मानव संसाधन विकास होगा।

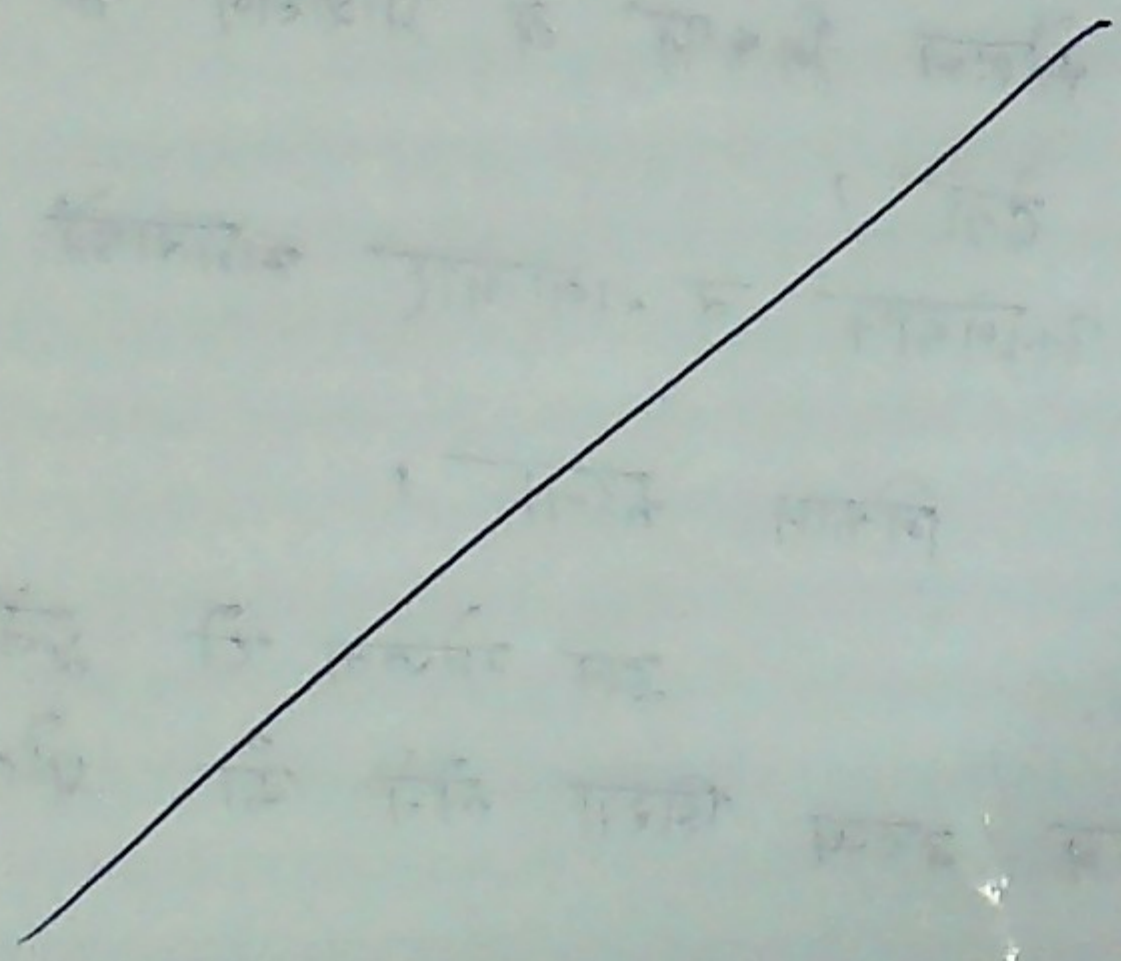

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) भारत में शस्य प्रतिरूप में प्रादेशिक भिन्नता के लिये उत्तरदायी भौगोलिक कारकों की विस्तार से चर्चा कीजिये। 15

Discuss in detail the geographic factors responsible for regional variation in the Indian cropping pattern. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) भारत के विभिन्न भागों में जनसंख्या वृद्धि और आर्थिक प्रगति पर्यावरण के निम्नीकरण का कारण है। विश्लेषण कीजिये। 15

Population growth and economic progress in different parts of India is the reason for degradation of the environment. Analyze. 15

पर्यावरणीय घटकों में ऐसा अनावश्यक परिवर्तन जिसे प्रकृति अपनी स्व प्रक्रिया के माध्यम से समायोजित न कर सके उसे पर्यावरण अवनयन की संज्ञा दी जाती है

पर्यावरण
- जैविक घटक
- अजैविक घटक
- ऊर्जा घटक

} → अनावश्यक असंतुलन → पर्यावरण अवनयन

जनसंख्या वृद्धि के कारण पर्यावरण निम्नीकरण

↳ आवास की बढ़ती मांग के कारण वृक्षों को काटना (दिल्ली में कॉलोनी बसाने के लिए वृक्षों को काटने पर विवाद)

→ खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के कारण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वन भूमि का कृषि भूमि में रूपांतरण तथा झूम कृषि का प्रचलन। ऐसा प्रचलन देश के मैदानी भागों व जनजातीय क्षेत्रों में देखने को मिलता है जहां वनावरण में तीव्र गति से कमी देखने को मिल रही है।

→ जनसंख्या वृद्धि → आवासस्थान निर्माण → वनों का कटान → मृदा अपरदन
→ पर्वतों की खुदाई ↓ भूस्खलन

↳ इस प्रवृत्ति से भी पर्यावरण अवनयन होता है

आर्थिक प्रगति के कारण पर्यावरण अवनयन

→ औद्योगीकरण से उत्सर्जित जहरीली गैसों से वायु प्रदूषण तथा दूषित जल के कारण जल प्रदूषण

→ औद्योगिक कचरा → लैंडफिल → मृदा प्रदूषण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

→ शहरीकरण → शहरी ऊष्मा द्वीप का निर्माण

→ परिवहन की मात्रा ↑ → ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि

→ कच्चे माल के लिए वनों की कटना

→ संसाधनों का अविवेकपूर्ण दोहन

परन्तु इसके अलावा भी अनेक कारक है जो पर्यावरणीय अवनयन के लिए जिम्मेदार है जिसमें प्रमुख हैं—

(क) लोगों में जागरूकता का अभाव

(ख) वैश्वीकरण एवं बढ़ते उपभोक्तावाद का प्रभाव

(ग) अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक सहयोग का अभाव

(घ) संस्कृति में पर्यावरणीय मूल्यों में गिरावट इत्यादि।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) हाल ही में शुरू 'एकीकृत विद्यालयी शिक्षा योजना' के उद्देश्यों की चर्चा करते हुए बताएँ कि किस प्रकार यह 'सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा' के लक्ष्य को साकार करेगी? 20

Discuss the objectives of the recently launched 'Integrated School Education Scheme' and explain how it will fulfill the goal of inclusive and equitable quality education for all? 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सभी को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ शिक्षा प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा एकीकृत विद्यालयी शिक्षा योजना प्रारंभ की गई है ताकि मानव विकास में गुणात्मक परिवर्तन लाया जा सके।

योजना की विशेषताएं

(i) नर्सरी से कक्षा 12 तक की शिक्षा को एकीकृत करना।

(ii) इसमें सर्वशिक्षा अभियान, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान को सम्मिलित करने के साथ-साथ शिक्षक शिक्षा (Teachear Education) को भी शामिल किया जाएगा।

(iii) छात्रों की रचनात्मकता में व नवाचार में

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

वृद्धि के लिए पाठ्यक्रम को संशोधित किया जाएगा

(iv) औपचारिक शिक्षा के साथ-साथ कौशल प्रशिक्षण के विकास पर भी बल दिया जाएगा।

(v) समाज के वंचित वर्गों जैसे SC, STs, महिलाओं, दिव्यांगों को शिक्षा की पहुँच के दायरे में लाने के लिए विशेष प्रयास करने पर बल दिया जाएगा।

(v) 'आउटकम' प्रदर्शन का मापन करके उसे अच्छा करने पर बल दिया जाएगा

(vi) शिक्षा की गुणवत्ता व विद्यालयों की कार्यशैली में सकारात्मक परिवर्तन के लिए शासन (Governance) पद्धति में सुधार पर बल दिया जाएगा। इससे कार्यसंस्कृति में बदलाव आने के कारण शिक्षण परिणामों की गुणवत्ता पर अपना ध्यान केन्द्रित कर सकेंगे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(vii) छात्रों को त्वरित सिखाने एवं शिक्षण की सरल व सुग्राह्य बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों जैसे स्मार्ट क्लैक बोर्ड, ऑनलाइन शिक्षण, इत्यादि पर बल दिया जाएगा।

योजना के उद्देश्य

→ शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी बनाना
→ शिक्षा में पर्याप्त विनीयन को सुनिश्चित करना
→ शासन में सुधार के द्वारा परिणामों की गुणवत्ता बढ़ाना।

इस प्रकार यह योजना अपने विभिन्न प्रावधानों के माध्यम से सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा के लक्ष्य को साकार करने में सक्षम होगी। सरकार को इसके लिए पर्याप्त धन की उपलब्धता सुनिश्चित कर प्रशासनिक दक्षता के साथ इस नीति को लागू करना होगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) 'हाइड्रोपोनिक्स' भारतीय कृषि के भविष्य की उम्मीद है। हाइड्रोपोनिक्स में विद्यमान संभावनाओं के आलोक में कथन की चर्चा कीजिये। 15

'Hydroponics' is the future of Indian agriculture. Discuss the statement in light of the possibilities in Hydroponics. 15

कृत्रिम रूप से जल में अनेक जीवों का पालन करने के व्यवसाय को 'हाइड्रोपोनिक्स' की संज्ञा दी जाती है। इसमें मुख्यतः झींगा पालन, मत्स्यपालन, केकड़ा पालन, शैवाल उत्पादन इत्यादि पर बल दिया जाता है।

बढ़ती जनसंख्या के कारण कृषि पर दबाव बढ़ता जा रहा है। तथा कृषि क्षेत्र की घटती उत्पादकता व मृदा में बढ़ती अनुपजाऊ प्रकृति के कारण देश के समक्ष बड़ी मात्रा में खाद्य संकट व्याप्त है। भारत का वैश्विक भुख सूचकांक में प्रदर्शन इस बात की पुष्टि करता है।

इसी को देखते हुए खाद्य पदार्थों व आजीविका के वैकल्पिक स्रोत के रूप

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में हाइड्रोपॉनिक्स एक अच्छा विकल्प हो सकता है क्योंकि इस क्षेत्र में निम्नलिखित कारकों के कारण व्यापक संभावनाएं व्याप्त हैं-

(i) भारत के पास लंबी तट रेखा है जिसके सहारे तालाब बनाकर या अनेक अनूपों में, पश्च जलों (Back waters) में इसकी खेती की जा सकती है।

(ii) सरकार द्वारा ब्लू इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए इस क्षेत्र पर भी काफी बल दिया जा रहा है।

(iii) जनसंख्या के अधिक होने के कारण सस्ते व कुशल श्रम की सुलभ आपूर्ति संभव है।

(iv) भारत में इसके मुख्य उत्पादों व उत्पादों के लिए विशाल बाजार की उपलब्धता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

है।

परन्तु इन सबके कारकों के बावजूद भी इस क्षेत्र का पर्याप्त विकास नहीं हो पा रहा है जिसके कुछ प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं:-

① सरकार के पास इस क्षेत्र के विकास के लिए स्पष्ट एवं समर्पित नीति का अभाव है।

② प्रौद्योगिकी व प्रशिक्षण का अभाव।

③ किसानों के पास निवेश के लिए धन का अभाव तथा लोन की उपलब्धता का अभाव।

अतः सरकार को इस क्षेत्र में व्याप्त चुनौतियों का शीघ्र समाधान करना चाहिए ताकि खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ गरीबी निवारण को सुनिश्चित कर सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति संभव हो सके

→ SDG 1, 2, 14

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

8. (a) देश में भारी मांग व उच्च गुणवत्ता के निर्यात के कारण फूलों की खेती भारत में 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का महत्त्वपूर्ण ज़रिया हो सकती है। विश्लेषण कीजिये। 20

Due to the heavy demand and high quality exports, floriculture can be an important means of doubling the income of farmers by 2022. Analyze. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation